No. of Printed Pages : 3

MJY–001

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.जे.वाई.-001 : भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं ऐतिहासिकता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड –क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।* $3 \times 20 = 60$

1. ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्तकों एवं प्रमुख आचार्यों का विस्तार से वर्णन कीजिये।

2. ज्योतिषशास्त्र के उद्‌भव एवं विकास पर विस्तृत निबन्ध लिखिये।

3. स्वास्थ्य एवं ज्योषित विषय पर निबन्ध लिखिये।

4. समाज में ज्योतिष की क्या उपयोगिता है ? विस्तार से प्रकाश डालिए।

5. ज्योतिषशास्त्र का पर्यावरण से क्या सम्बन्ध है ? वर्णन कीजिए।

6. 'बहुस्कन्धात्मक ज्योतिष' पर प्रकाश डालते हुए ज्योतिष के प्रमुख अंगों का वर्णन कीजिये।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 10 = 40$

7. वराहमिहिराचार्य के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिये।

8. सृष्टि की उत्पत्ति के सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिये।

9. काल की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

10. होराशास्त्र का परिचय देते हुए इसकी उपादेयता पर प्रकाश डालिए।

11. दिक् की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इसके भेदों पर प्रकाश डालिये।

12. ज्योतिषशास्त्र की वेदाङ्गता पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

13. संहिता स्कन्ध का परिचय देते हुए इसकी प्रासङ्गिकता का उल्लेख कीजिए।

14. समस्याओं के निराकरण में ज्योतिष की भूमिका को स्पष्ट कीजिये।

× × × × ×